



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 आषाढ़ 1938 (श10)

(सं० पटना 555) पटना, बृहस्पतिवार, 30 जून 2016

सं० 2/आरोप-01-47/2013-5114-सा0प्र0

सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

7 अप्रील 2016

श्री जनक कुमार (बि०प्र०से०), कोटि क्रमांक 1193/11, तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी, पीरो, भोजपुर सम्प्रति वरीय उप समाहर्ता, मधुबनी के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, भोजपुर, आरा के पत्रांक 975 दिनांक 07.04.2013 द्वारा धान अधिप्राप्ति जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाही एवं शिथिलता बरतने, अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने तथा उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना करने संबंधी प्रपत्र 'क' में आरोप गठित कर प्रतिवेदित किया गया।

श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों के लिए विभागीय पत्रांक 11562 दिनांक 12.07.2013 द्वारा उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री कुमार द्वारा पत्रांक 2332 दिनांक 06.09.2013 के माध्यम से समर्पित स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक 15420 दिनांक 23.09.2013 द्वारा जिला पदाधिकारी, भोजपुर, आरा से मंतव्य की मांग की गयी। जिला पदाधिकारी, भोजपुर के पत्रांक 2377 दिनांक 07.11.2014 द्वारा मंतव्य उपलब्ध कराया गया, जिसमें श्री कुमार के स्पष्टीकरण को असंतोषप्रद प्रतिवेदित किया गया।

श्री कुमार के विरुद्ध गठित आरोप, उनसे प्राप्त स्पष्टीकरण एवं जिला पदाधिकारी, भोजपुर के मंतव्य के समीक्षोपरान्त अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 17/19 के प्रावधानों के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया। फलतः श्री कुमार के विरुद्ध विभागीय संकल्प ज्ञापांक 2716 दिनांक 19.02.2015 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

विभागीय कार्यवाही के उपरान्त संचालन पदाधिकारी के पत्रांक 1183 दिनांक 31.12.2015 द्वारा जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें आरोपित पदाधिकारी के विरुद्ध 'निदेश के बावजूद स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करने' का आरोप प्रमाणित प्रतिवेदित किया गया।

प्रमाणित आरोप के लिए विभागीय पत्रांक 800 दिनांक 15.01.2016 द्वारा अभ्यावेदन की मांग की गयी। श्री कुमार द्वारा समर्पित अभ्यावेदन दिनांक 29.01.2016 में स्वयं स्वीकार किया गया है कि जिला पदाधिकारी, भोजपुर से पूछे गये स्पष्टीकरण के संबंध में लिखित रूप से स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया गया था।

श्री कुमार का उपरोक्त कथन उनके द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किए जाने संबंधी आरोप को स्वतः प्रमाणित करता है।

सम्यक विचारोपरान्त प्रमाणित पाये गये आरोप के लिए अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 14 के अधीन "निन्दन" (आरोप वर्ष 2012-13) एवं

“एक वेतनवृद्धि असंचयात्मक प्रभाव (Non-cumulative effect) से रोक का दण्ड” दिये जाने का निर्णय लिया गया।

अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार श्री जनक कुमार (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 1193/11, तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी, पीरो, भोजपुर सम्प्रति वरीय उप समाहर्ता, मधुबनी के विरुद्ध “निन्दन” (आरोप वर्ष 2012-13) एवं “एक वेतनवृद्धि असंचयात्मक प्रभाव (Non-cumulative effect) से रोक का दण्ड” दिया एवं संसूचित किया जाता है।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
अनिल कुमार,  
सरकार के अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 555-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>